कळकण्ठी कथंकारम्

रागम्: नीलाम्बरि   ताळम्: चापु

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

कळकण्ठी कथंकारं सखि
विस्मरामि कपटनाटकसूत्रधारम्

अनुपल्लवि

अळिकशोभितचारु हरिचन्दनतिलकम्

चरणम्

सरस श्रीपादमूलं पीयूषवाणि सरसगुणालवालम्

चारु मुकुरकपोलं संक्वणितवेणुनाळम्
गौररुचिरचेलं गळधृतवनमालम् ॥ १ ॥

दन्तजितकुन्तजालं विद्युल्लताङ्गि दान्तजनतानुकूलम्

शान्तनवसमयपालं शमिताखिलरिपुजालम्
कान्तेन्दुनीलनीलं काळिन्दीकेळीलोलम् ॥ २ ॥

बृन्दावनकृतलीलं पूर्णेन्दुमुखि विश्वजनावनशीलम्

सन्दळितशिशुपालं सतताधृतगोपालम्
नन्दिततरकुचेलं नन्दकमनीयबालम् ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇